Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to grant Mangarh Dham in Banswara (Rajsthan) and its traditional adivasi cultural heritage the status of national importance-laid.

श्री कनकमल कटारा (बांसवाड़ा): मैं अपने संसदीय क्षेत्र में स्थित मानगढ़ धाम (बॉसवाड़ा, राजस्थान) की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूॅ । 17 नवम्बर, 1913 को जलियावाला बाग हत्याकांड से भी बड़ी घटना हमारे राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बॉसवाड़ा-डूॅगरपुर के मानगढ़ धाम पर हुई जहाँ अंग्रेजों के खिलाफ हुए संघर्ष में बलिदान देने वाले 1500 आदिवासी भाईयों एवं आदिवासी समाज में भक्ति-भाव को जगाने वाले महापुरूष गोविन्दगुरू महाराज सहित हजारों आदिवासियों भाईयों को अंग्रेजों ने गोली, तोप, बंदुके चलाकर भून दिया था और वे सभी देश के स्वत्रंतता आन्दोलन में मारे गये । मानगढ़ धाम आदिवासी भाईयों के लिए पवित्र स्थान है । राजस्थान एवं गुजरात प्रांत की सीमा पर आंनदपुरी पंचायत समिति जिला बॉसवाड़ा के पहाड़ पर स्थित है ।

पिछले समय में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा अपनी सीमा पर बहुत विकास किया गया है, यह पर्यटन का एक ऐतिहासिक स्थान है, प्रति वर्ष यहॉ पर हजारों लोग इस पवित्र भूमि के व धुणी के दर्शन करने आते हैं । मैं मानगढ़ धाम की पवित्र भूमि व आदिवासी परम्परागत सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय दर्जा देने की मॉग माननीय जनजाति कार्य मंत्री भारत सरकार से करता हूॅ ।